

DPN 6215

Title : मन्त्रानुसारणा स्तुति व मेमेगु
MANTRANUSARANA STUTI VA MEMESU

Run. No. 6906

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र व ज्ञं भुगु
Hymns & stutis

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 24 X 7.5

Folios 4 Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

गणेशरत्न शाक्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

↓
इति अजिमत फल सिद्धि दायणी वज्रशेखरिण्या पुनार्क श्री मत् सन्नातु साणी
स्तुति समाप्तः ॥

विष्णुं धर्ममगमनसमृद्धं तस्मात्तद्विष्णुं धर्ममनययनिवा न स्वादा ॥ २००५ ॥ ॥ १२६ ॥ नमो भगवते कृष्णाय श्रीव
सुष्मवायेनादिवा नृयी सुमृयी व सोमा नृयी व नयदा व सुध्वयी वः सुजायी व सुभीयी व श्रीव नाराध्व
वीष्मवलीष्मका सुनेष्म रूकिः वसनाय ह्याय नमिना दवीयः ह्यभी वृद्धि व ह्यनी वा विद्या धर्मि
वा नृष्मा साका सवेरु मा रुका नवनीका वृली दवी विद्यादानं च वध्वयी वारुषिमा रुमा साका वसव
रुव वरुषि वीरद रूका भो विरुमा द गायनक मादा नया वमिना दवी व वली दिवा नृयी नीरनि धनमवेः

मांगलाकीरिलभी यमसुता॥ दहनिमावनीवलीभवनीसर्वमाखकारुकाकजावनीमोडीकोमावीविधवृथानी॥ वी
 र्ययावमिकादवीरुमदानदला
 मागुकिमाकितादिकमावकुमदे
 ध्यानधुयीगीरघडीनीयप्रधानि
 कामानिधवीदवीयलायसकधवननीनिधानकुटमावृडीधन्यागवधनयोथानेधुकाकमहाग्रादीदिवारुववरु

उनेमहावजसुताया॥ विदुनेतिकनकोर्योहमकसिंहासुनिदा
 ५ पानिमितसुनसंदसुवमोनाउनाथोकुवनेयदननेगोवह
 नेमकुभातंमालेवदिततसुसर्वनाथेदितसु॥ यदकोसंति
 मयोवनकनेकमयूमतिनेयडाकोपापुनयमुजकाहृष्टाम
 निकिनेनाधिससवाधेकीनासुसुविनासुपुसदितद
 दयायवृविद्याधेनाद्यासुमाकेकापुसुतंसुनिवेनवेनसु
 सुमायालिसर्व॥ गंधकीमउनाउसुनविननालितेवासने

यत्र मातुः कथं वदन्ता ये वनं कच कच ह्यपीयमाना सुताः
 ॥ इत्ययं सो गतां मणिनि न न यवविद्या येनाद्याः ॥ भाऊ को
 न सुतः स निव न व न ॥ मु मा यो उ स व ॥ व क्र दो दि व न प
 स स सु ख नि न ग ॥ प ल स द न प य द ॥ य व ज स न न न
 ग न ज न क सा कि न न द ॥ ग थ को द प म य ॥ पु म दि न म न स
 मु मा या त्रि स र्क मा द न र्क व न र्क प क न ग य ॥ ग ॥
 भ न र्क न र्क द न क मा र्क न ॥ ६ म क न क न ग नि व द

कुली ॥ ॥ उ त म र ग व न ज ॥ इ त्नु वा य ॥ अ र्क य न न ड ॥ म न क
 मा न म र्क वि द स र्क र ग य व द म र व ज म र व ड ॥ स न क न ड ॥ व र्क
 क न ली ॥ ग म म म र्क वि पित मा म्मा सो न क ॥ ध नि क न नि नि कु नि नि नि मा
 लि नि स प र द नि प ल ॥ र य वि ड य ड म्म नि स म्म नि मा रु नि व ड य नि नि
 अ व नि प ॥ न य थं य ॥ ग ॥ इ न ड य न न कि नि इ ध न ड व ड द म्म
 नि नि इ

वयं इत्येकं कपात्रं अलिङ्गी मरुतं विस्मितामासासि निमान्वाक्यो व
 त् सातिष्ठन्तं त्वमेव मात्राणुस्मिन् धमिती सुमन्ति ररुत उद्यानात् रुरु
 सर्वेषां सर्वसत्तातां सर्वयसनामासु दानि कावतो काधमत्त उदुके ४
 प्राप्तीति मरुतमद। णीषु कृष्णनिदयाणु मरुतिषु सुसुवा दवसत स
 सुवा दानि कानि न तज्जसु जात्रामरिषिषु तत्तावत्तव ज सलि नव जा

विविधव्यति नाथनि काधनिक नालिनि संजासनि मात्रनिमृषरु दनि यवाजयविजयजगुनि सुमन्ति मा
 नि वदवावादी मरुतामीनी कागपुत्री त्वगा कथथा वाता ररुत न २ या वान् किनि शिनि २ धनु २ वरुद मः
 धयय २ खदार्जकया लधावती मरुतिनिट मात्रासनि मान्वाक्यो वरुत सातिष्ठन्तं त्वमेव मात्राणुस्मिन् धमिती
 सुमन्ति सुमन्ति ररुत उद्यानात् रुरु सर्वेषां सर्वसत्तातां सर्वयसनामासु दानि कावतो काधमत्त उदुके
 सुवा दानि कानि न तज्जसु जात्रामरिषिषु तत्तावत्तव ज सलि नव जा

[illegible]